(b) if so, whether Government would consider publishing a catalogue of such rare works with brief explanatory note?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DR. MURLI MANOHAR JOSHI): (a) Mirza Ghalib's poems on Charles Metcalfe and Lord Auckland are available in the National Archives of India. The National Archives of India does not have Henry Parker's translation of Sadi, Meer and Hafiz Extracts from the works of Sadi, Khusro and other eminent Literary personalities are, however, available with their translations.

All these literary material are open for consultation and use by scholars. In fact an exclusive exhibtion on the works of Ghalib was inaugurated by Prof. V.K.R.V. Rao, the then Minister of Education on 24th February, 1969.

(c) The National Archives of India have already published catalogue of works of Fort William collection. The catalogue consist of about 200 very rare and important manuscripts. The National Archives of have also published a catalogue of acquired manuscripts obtained by way of donation or purchase through Historical Document Purchase Committee. The letters and poems of Ghalib, available in the National Archives of India from the year 1806 to 1861 are included in the series of Public Records and as such no separate catalogue has been published. Catalogue and indices on Public Records are, however, available in the National Archives of India.

Train between Calcutta and Bangladesh

2707. SHRI GURUDAS DASGUPTA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government intend to introduce" a train between Calcutta and Bangladesh; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI RAM NAIK): (a) No, Sir.

(c) Does not arise.

Licenced porters at Nagpur junction

2708. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the total number of licenced porters operating at Nagpur junction in Maharashtra; and

(b) what welfare measures Government have introduced for these porters particularly for those who have become old?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI RAM NAIK): (a) 274 Licensed Porters are operating at Nagpur Junction in Maharashtra.

(c) The main facilities which are provided to the licensed porter include medical facilities for self, spouse & dependant children, issue of complementary pass once a year for self, admission of children to the railway school if the seat is available, issue of uniforms, resting facility at the station, etc. Besides, the facility of transfer of badge to the near relative of the porter is also available in case of old age, infirmity or illness incapacitating him for work.

रेल मार्गो की व्यवहार्यता

2709. **श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया** :

श्री बरजिन्दर सिंह :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेगें कि :

(क) क्या देश में लगभग 120 रेल मार्ग अलाभकारी हैं और उनसे रेलवे को गत वर्ष लगभग 244 करोड़ रूपए की हानि हुई है;

(ख) यदि हां, तो इस सबंधं में तथ्य क्या हैं;

(ग) क्या सरकार ने इस रेल मार्गो को लाभकारी बनाने के लिए कोई योजना तैयार की है;

(घ) यदि हां, तो प्रथम चरण में किन-किन मार्गो में परिवर्तन करके लाभकारी बनाया जाएगा, और

(ड) इन मार्गो को लाभकारी बनाने के लिए यदि कोई योजना तैयार नहीं की गई है, तो इसके क्या कारण हैं?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राम नाईक) :

विवरण

(क) जी हां, 1996-97 के दौरान देश भर में कुल 120 अलाभप्रद शाखा लाइनें थी जिनके कारण 243.67 करोड़ रूपए की हानि हुई (1996-97 वह नवीनतम वर्ष है जिसके लिए आंकड़े उपलब्ध हैं):-

(ख) अलाभप्रद शाखा लाइनों का विवरण – 1996-97

रेलवे	अलाभप्रद शाखा लाइनों की संख्या		लागत (करोड़ रू0 में)		1996-97 (करोड़ रू0 में)	
मध्य	7	--	6	13	77.64	51.04
पूर्व	9	--	2	11	7.00	8.64
उत्तर	13	6	1	20	88.37	50.76
पूर्वोत्तर	3	11	--	14	1.84	15.93
पूर्वोत्तर सीमा	1	14	1	16	4.88	37.96
दक्षिण	3	7	--	10	4.28	7.79
दक्षिण मध्य	5	2	--	7	2.26	10.16
दक्षिण पूर्व	7	--	5	12	32.64	52.17
पश्चिम	2	4	11	17	4.65	9.22
जोड़	50	44	26	120	223.56	243.67

(ग) से (ड) इन लाइनों की व्यवहार्यता मुख्यत : उस क्षेत्र से मिलने वाले यातायात पर निर्भर हैं और यातायात में पर्याप्त वृद्धि हुए बिना इनकी व्यवहार्यता को सुधारने के लिए किसी भी योजना का केवल सीमित प्रभाव ही होगा । बहरहाल, यथानिम्नलिखित लागत में कमी करने के उपायों से इनकी व्यवहार्यता में सुधार करने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं-

हानियों को कम करने के लिए किए गए उपाय

(क) कर्मचारियों की संख्या में कमी: इसके लिए निम्निलिखित उपाय किए गए हैं:-

(i) स्टेशनों का दर्जा घटाकर उन्हें ठेकेदारों द्वारा परिचालित हाल्टों के रूप में बदलता।

(ii) "केवल एक ही इंजन" प्रणाली को लागू करना जिसके अनुसार खंड में एक समय में केवल जिसके अनुसार खंड में एक समय में केवल एक ही गाड़ी हर सकती है । इसके ब्लाक संचालन की जरूरत नहीं रह जाती अत: कर्मचारियों की आवश्यकता में कमी आती है।

(iii) गाडियों को केवल दिन के समय में ही चलाने, रविवार एवं अन्य छुट्टियों के दिनों गाडियों को रद्द करने आदि सहित उपायों से गाड़ी सेवाओं में कटौती करना ।

(iii) खंड में चलने वाली गाडियों पर चल टिकट परीक्षकों/बुकिंग क्लकों द्वारा यात्री टिकट जारी करना ।

(ख) निम्निलिखित के जरिए अवसरंचना में कमी करना:

(i) साइर्डिगों को उखाड़ना।

(ii) सिगनलिंग उपकरणों को उखाड़ना

Pre-paid system for porters

2710. DR. MOHAN BABU: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government propose to introduce the pre-paid system for the